

- हिमालय पर्वत शृंखलाओं में स्थित सभी दरों में काराकोरम दर्रा सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित है जो लगभग 5,540 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।

रोहतांग दर्रा

- रोहतांग दर्रा हिमाचल प्रदेश (लघु हिमालय) में स्थित एक प्रमुख दर्रा है जो मनाली को लेह से एक सड़क-मार्ग द्वारा जोड़ता है।
- रोहतांग दर्रा केवल मई से नवंबर तक ही खुला रहता है क्योंकि अन्य समय बर्फीले तूफान तथा हिमस्खलन के कारण इस मार्ग पर यात्रा करना बहुत मुश्किल होता है।
- रोहतांग दर्रा को हिमाचल प्रदेश के 'लाहुल-स्पीति' जिले का 'प्रवेश द्वार' कहा जाता है। यह दर्रा 'कुल्लू' और 'लाहुल-स्पीति' को आपस में जोड़ता है।

बुर्जि ला

- बुर्जि ला जम्मू-कश्मीर में (वृहद् हिमालय) भारत एवं पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा पर स्थित है।
- बुर्जि ला, कश्मीर, गिलगित एवं श्रीनगर के बीच का एक प्राचीन मार्ग है। इसी दर्रे से होकर मध्य-एशिया का मार्ग गुजरता है। शीत ऋतु में बर्फ से ढँक जाने के कारण यह व्यापार एवं परिवहन के लिये बंद रहता है।
- यह दर्रा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर घाटी तथा भारत के कश्मीर घाटी को लद्दाख के 'देवसाई मैदान' से जोड़ता है।

मुलिंग ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	उत्तराखंड	भारत-चीन
जेलपे ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	सिक्किम	गंगटोक-ल्हासा
पीर पंजाल	लघु हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	जम्मू को कश्मीर से
बनिहाल	लघु हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर-जम्मू
रोहतांग	लघु हिमालय प्रदेश	हिमाचल प्रदेश	मनाली-लेह
बोमडी ला	उत्तर-पूर्वी हिमालय प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश-ल्हासा (भारत-तिब्बत)
दिफू	उत्तर-पूर्वी हिमालय प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश-म्यांमार
पांगसाउ	उत्तर-पूर्वी हिमालय प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश-म्यांमार
तुजू	उत्तर-पूर्वी हिमालय प्रदेश	मणिपुर	मणिपुर-म्यांमार

नाम	हिमालय प्रदेश	अवस्थिति	मार्ग
काराकोरम दर्रा	ट्रांस हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
केप्सांग ला	ट्रांस हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
लानक ला	ट्रांस हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
चांग ला	ट्रांस हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
जारा ला	ट्रांस हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
खार्दुंग ला	ट्रांस हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
बुर्जि ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर-गिलगित
बारालाचा ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	हिमाचल प्रदेश	लेह-मनाली
शिपकी ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	हिमाचल प्रदेश	शिमला-तिब्बत (भारत-चीन)
थांग ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	जम्मू-कश्मीर	भारत-चीन
नीति दर्रा	वृहद् हिमालय प्रदेश	उत्तराखंड	भारत-चीन
माना ला	वृहद् हिमालय प्रदेश	उत्तराखंड	भारत-चीन

भारत की प्रमुख घाटियाँ	
जम्मू-कश्मीर	
घाटी	विवरण
मर्खा घाटी	लद्दाख की प्रसिद्ध घाटी है, हेमिस राष्ट्रीय उद्यान हेतु मार्ग उपलब्ध कराती है।
कश्मीर घाटी	महान हिमालय एवं पीरपंजाल श्रेणियों के मध्य अवस्थित बनिहाल दर्रे द्वारा जम्मू से जुड़ी हुई है। इसकी रचना एक समभिनति में हुई है।
नुब्रा घाटी	सियाचिन हिमनद से निकलने वाली नुब्रा नदी द्वारा निर्मित है।
सुरु घाटी	इसका कारगिल कस्बे के लिये काफी महत्त्व है।
हिमाचल प्रदेश	
किन्नौर घाटी	यह घाटी हिमाचल प्रदेश के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है जो तिब्बत की सीमा के समीप है। यह हिमाचल प्रदेश के अंतिम गाँव 'चितकुल' को मार्ग प्रदान करता है।
पार्वती घाटी	हिमाचल प्रदेश के कुल्लू स्थित यह घाटी हिंदू एवं सिख तीर्थ यात्रियों को मणिकरण शहर जाने के लिये मार्ग प्रदान करती है (मणिकरण गर्म पानी के फव्वारों के लिये प्रसिद्ध है)।
सांगला घाटी	इसे 'बास्पा घाटी' के नाम से भी जाना जाता है।
मालना घाटी	यह हिमाचल प्रदेश में 'छोटा युनान' के रूप में प्रसिद्ध है।

कुल्लू घाटी	इसे 'देवताओं की घाटी' कहा जाता है। इसे सात दिवसीय दशहरा त्योहार के लिये भी जाना जाता है। यह धौलाधर एवं पीर पंजाल श्रेणियों के मध्य अवस्थित है।
पांगी घाटी	लाहुल, पंगवाला और भोटिया लोगों का आवास क्षेत्र है।
स्पीति घाटी	बौद्धों का प्रसिद्ध 'ताबो मठ' इसी घाटी में अवस्थित है।
लाहुल घाटी	इसी घाटी से होकर ही चंद्र एवं भागा नदियाँ प्रवाहित होती हैं।
कांगड़ा घाटी	प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल 'धर्मशाला' इसी घाटी में अवस्थित है।
चंबा घाटी	भारमौर, डलहौजी एवं खज्जियार प्रमुख पर्यटन स्थल इसी घाटी में अवस्थित हैं।
उत्तराखंड	
दून घाटी	यह घाटी शिवालिक हिमालय एवं लघु हिमालय के मध्य स्थित है। यह हिमालय के अनुदैर्घ्य घाटी का उदाहरण है।
जोहर घाटी	इसे मिलाम घाटी एवं गौरी गंगा घाटी के नाम से भी जाना जाता है।
फूलों की घाटी	चमोली जिले में स्थित, वन्य जीवों के लिये प्रसिद्ध है। इसे यूनेस्को के बायोस्फियर नेटवर्क में 2004 में शामिल किया गया।
धर्मा घाटी	इसका निर्माण धर्मागंगा नदी द्वारा होता है।
सोर घाटी	यह घाटी पिथौरागढ़ में स्थित है। यहाँ कत्यूरी राजवंश का शासन था; ये अयोध्या से यहाँ आये थे।
नेलांग घाटी	यह घाटी उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क में अवस्थित है। यह भारत-चीन सीमा के निकट स्थित है, जिसे वर्ष 1962 के युद्ध के बाद बंद कर दिया गया था। मई 2015 में इसे पर्यटकों के लिये खोल दिया गया है।
पश्चिम बंगाल	
न्योरा घाटी	यह दार्जिलिंग के कलिम्पोंग में स्थित है। इसे 1986 में 'राष्ट्रीय पार्क' घोषित किया गया।
सिक्किम	
चुंबी घाटी	<ul style="list-style-type: none"> ■ चुंबी घाटी के भारत (सिक्किम), भूटान व चीन (तिब्बत) तीनों के मिलन बिंदु पर स्थित होने के कारण सामरिक महत्व अधिक है। 'डोकलाम' क्षेत्र इसी के अंतर्गत आता है। यह घाटी सिलीगुड़ी (भारत का चिकेन नेक) से लगभग 500 किमी. की दूरी पर है। ■ चुंबी घाटी पहले सिक्किम का हिस्सा था, जो वर्ष 1792 में तिब्बत का अंग बना। यहाँ के स्थानीय निवासियों को 'प्रोमोवा' कहा जाता है, जो तिब्बती वंश के हैं। वर्ष 1904 में अंग्रेजी शासन और तिब्बत के बीच हुए समझौते के बाद यह ऊन, याक उत्पाद, सुहागा एवं अन्य स्थानीय उत्पादों का बड़ा व्यापारिक मार्ग बनकर उभरा है।

यूथांग घाटी	हॉट स्प्रिंग के लिये प्रसिद्ध यूथांग घाटी रोडोडेंड्रान झाड़ियों व अन्य वनस्पति प्रजातियों से ढँकी हुई है।
नागालैंड	
जुकू घाटी	भारत के पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड में स्थित, जून एवं सितंबर माह में संपूर्ण घाटी जंगली फूलों से ढँक जाती है।
आंध्र प्रदेश	
अराकु घाटी	यह घाटी गलीकोंडा, राक्ताकोंडा, सुकरीमेट्टा एवं चितामोगोंडी नामक पहाड़ियों से घिरी है।
तमिलनाडु	
कंबम घाटी	यह थेक्काड़ी, वरुसनादु एवं कोडाइकनाल पहाड़ियों से घिरी है।
केरल	
शांत घाटी	जैव विविधता हेतु प्रसिद्ध, यह केरल के पलक्कड़ जिले में नीलगिरी की पहाड़ियों पर स्थित है। 1847 में शोध हेतु रॉबर्ट वाइट यहाँ आने वाले प्रथम अंग्रेज थे। कुन्थी नदी यहाँ के वन क्षेत्र से उद्गमित होती है।

उत्तरी भारत का विशाल मैदान (Great Plain of Northern India)

- उत्तर भारत के मैदान का निर्माण मुख्यतः सिंधु, गंगा व ब्रह्मपुत्र नदी तथा इनकी सहायक नदियों द्वारा लाए गए अवसादों के निक्षेपण से हुआ है। इन्हें गंगा व ब्रह्मपुत्र का मैदान भी कहते हैं।
- यह मैदान पश्चिम में सिंधु नदी से लेकर पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी तक फैला हुआ है। यह एक समतल मैदान है तथा इसके उच्चावच में बहुत कम अंतर है। यह मैदान पूर्व से पश्चिम तक लगभग 3,200 किलोमीटर लंबा तथा लगभग 150 से 300 किलोमीटर चौड़ा है।
- इस मैदान की समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 50 से 150 मीटर तक है। इस क्षेत्र की उपजाऊ मिट्टी, उपयुक्त जलवायु तथा पर्याप्त जलापूर्ति कृषि कार्य के विकास में बहुत सहायक है।
- उत्तरी मैदान को उच्चावच व भौतिक लक्षणों के आधार पर पाँच महत्वपूर्ण प्रदेशों में विभाजित किया गया है— भाबर, तराई, बांगर, खादर और डेल्टा।

भाबर

- उत्तर भारत में शिवालिक के गिरिपद प्रदेश में सिंधु नदी से तीस्ता नदी तक के क्षेत्र को 'भाबर' कहा जाता है। यह भू-भाग हिमालयी नदियों द्वारा लाए गए पत्थर, कंकड़, बजरी आदि के जमाव से बना है।
- इसकी चौड़ाई सामान्यतः 8 से 10 किमी. है।
- इस भू-भाग में छोटी नदियाँ पत्थर, कंकड़, बजरी के ढेर के नीचे से प्रवाहित होने के कारण अदृश्य हो जाती हैं।
- यह क्षेत्र कृषि के लिये उपयुक्त नहीं होता है।

तराई

- यह क्षेत्र भाबर प्रदेश के दक्षिण का दलदली क्षेत्र है तथा बारीक कंकड़, पत्थर, रेत तथा चिकनी मिट्टी से बना है। इसकी चौड़ाई सामान्यतः 10 से 20 किमी. है।

पर्वत	अवस्थिति
नीलगिरी पर्वत	केरल-तमिलनाडु
अन्नामलाई पर्वत	केरल-तमिलनाडु
कार्डमम पर्वत	केरल-तमिलनाडु
पालनी पर्वत	तमिलनाडु
शेवरॉय पर्वत	तमिलनाडु
जवादी पर्वत	तमिलनाडु
पालकोंडा पर्वत	आंध्र प्रदेश
वेलीकोंडा पर्वत	आंध्र प्रदेश
नल्लामलाई पर्वत	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना

अन्य संबंधित तथ्य

- कच्छ की खाड़ी अलग करती है- कच्छ तथा काठियावाड़ प्रायद्वीप को।
- खंभात की खाड़ी अलग करती है- काठियावाड़ प्रायद्वीप को गुजरात की मुख्य भूमि से।
- नर्मदा तथा तापी नदियों के मुहाने पर अवस्थित द्वीप क्रमशः- अलियाबेट तथा खदियाबेट।
- वेलिंगटन द्वीप, कोच्चि शहर (केरल) का भाग है।
- भारत का 'शीत मरुस्थल' लद्दाख को कहा जाता है।
- पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी- अनाईमुडी (2,695 मीटर)
- दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी- अनाईमुडी
- पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी- महेंद्रगिरी (ओडिशा) (कुछ अन्य स्रोतों में जिन्दगढ़ा (आंध्र प्रदेश) भी मिलता है।
- गढ़जात की पहाड़ियाँ ओडिशा में स्थित है।
- महाराष्ट्र की सबसे ऊँची चोटी- कलसूबाई।
- भारत के हिमालयी राज्य हैं- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, त्रिपुरा, असम एवं पश्चिम बंगाल।

जमेरा परियोजना	राप्ती नदी	हिमाचल प्रदेश
धीन परियोजना	राप्ती नदी	पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर
बाधपा-झाबरी परियोजना	सतलुज नदी	हिमाचल प्रदेश
खलाल परियोजना	चेनाब नदी	जम्मू-कश्मीर
कमलिहार परियोजना	चेनाब नदी	जम्मू-कश्मीर
दुलहस्तरी परियोजना	चेनाब नदी	जम्मू-कश्मीर
दुलहस्त परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
उरी परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
सिन्धु परियोजना	बिलांगना + भागीरथी नदी	उत्तराखंड
राधगंगा परियोजना	राधगंगा नदी	उत्तराखंड
रामगंगा परियोजना	बाली (शारदा) नदी	उत्तराखंड, नेपाल
गंडक नदी परियोजना	गंडक नदी	उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल
कोशी परियोजना	कोशी नदी	बिहार, नेपाल
रिहंद परियोजना	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
झणझार परियोजना	सोन नदी	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार
बाताहीला परियोजना	बेतवा नदी	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश
चम्बल परियोजना	चम्बल नदी	मध्य प्रदेश, राजस्थान
रामोदर बाटी परियोजना	रामोदर नदी	झारखंड, पश्चिम बंगाल
मयूराक्षी परियोजना	मयूराक्षी नदी	झारखंड, पश्चिम बंगाल
कलकड़ा परियोजना	रांगी नदी	पश्चिम बंगाल
राप्ती सागर परियोजना	चम्बल नदी	मध्य प्रदेश
जवाहर सागर परियोजना	चम्बल नदी	राजस्थान
कोलदास परियोजना	सतलुज नदी	हिमाचल प्रदेश
बोडी परियोजना	ब्यास नदी	हिमाचल प्रदेश
कावेरि जलविद्युत परियोजना	कावेरि नदी	अरुणाचल प्रदेश
लिपईमुख जलविद्युत परियोजना	बराक + तुईनाई नदी	मणिपुर
तिलैया परियोजना	बराक नदी	झारखंड

जलप्रपात	नदी	राज्य
जोग/गरसोप्पा/महात्मा गांधी प्रपात	शरावती नदी	कर्नाटक
धुआंधार, दुग्धधारा, कपिलधारा	नर्मदा	मध्य प्रदेश
हुंडुमा जलप्रपात	मच्छकुण्ड	ओडिशा
गोकाक प्रपात	घाटप्रभा	कर्नाटक
चूलिया जलप्रपात	चंबल नदी	राजस्थान
चित्रकोट जलप्रपात (भारत के न्याग्रा की संज्ञा)	इंद्रावती नदी	छत्तीसगढ़
हुंडरू जलप्रपात	स्वर्ण रेखा नदी	झारखंड
दूध सागर जलप्रपात	मांडवी नदी	गोवा
चचाई जल प्रपात	बिहड़ नदी	मध्य प्रदेश
शिवसमुद्रम जलप्रपात	कावेरी नदी	कर्नाटक
कुँचीकल जलप्रपात	वाराही नदी	कर्नाटक
गौतम धारा/जोन्हा	रारु नदी	झारखंड
दसम	कांची नदी	झारखंड
साडनी	शंख नदी	झारखंड

भारतीय नदियों के तट पर बसे प्रमुख शहर (Major Cities situated on the bank of Indian Rivers)

नदी	शहर	राज्य
गंगा	हरिद्वार	उत्तराखंड
	कानपुर, वाराणसी, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, कन्नौज, चकरी, बलिया, सहारनपुर, बिजनौर	उत्तर प्रदेश
	पटना, बक्सर, मुंगेर, भागलपुर	बिहार
यमुना	आगरा, मथुरा, औरैया, इटावा	उत्तर प्रदेश
	नई दिल्ली	दिल्ली
गंगा + यमुना	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश
ब्रह्मपुत्र	डिब्रूगढ़, गुवाहाटी, माजुली (द्वीपीय जिला), धुबरी	असम
महानदी	कटक, संबलपुर	ओडिशा
गोदावरी	नासिक, नांदेड	महाराष्ट्र
	राजमुंदरी	आंध्र प्रदेश
कृष्णा	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश
	सांगली	महाराष्ट्र
कावेरी	तिरुचिरापल्ली, इरोड, तंजावुर	तमिलनाडु
	श्रीरंगपट्टनम, मैसूर	कर्नाटक

नर्मदा	जबलपुर, होशंगाबाद	मध्य प्रदेश
	भरूच	गुजरात
तापी	सूरत	गुजरात
	बेतुल	मध्य प्रदेश
सरयू	अयोध्या	उत्तर प्रदेश
साबरमती	अहमदाबाद, गांधी नगर	गुजरात
वैगई	मदुरै	तमिलनाडु
ब्राह्मणी	राउरकेला	ओडिशा
गोमती	लखनऊ, जौनपुर, सुल्तानपुर	उत्तर प्रदेश
राप्ती	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश
चंबल	ग्वालियर	मध्य प्रदेश
	कोटा	राजस्थान
हिंडन	गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश
क्षिप्रा	उज्जैन	मध्य प्रदेश
बेतवा	साँची, विदिशा	मध्य प्रदेश
रामगंगा	बरेली, मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश
मांडवी	पणजी	गोवा
हुगली	कोलकाता	पश्चिम बंगाल
सतलुज	लुधियाना	पंजाब
मूसी	हैदराबाद	तेलंगाना
इन्द्रावती	जगदलपुर	छत्तीसगढ़
मंदाकिनी	गुप्तकाशी	उत्तराखंड

नोट:

- **कॉनगो**- कॉनगो या जायरे नदी अफ्रीका महाद्वीप की दूसरी सबसे लंबी नदी है। यह नदी दो बार भूमध्य रेखा को पार करती है।
- **नील**- नील नदी का उद्गम भूमध्य रेखा पर स्थित विक्टोरिया झील से होता है। यह उत्तर की ओर बहते हुए कर्क रेखा को भी पार करती है, इस तरह नील नदी भूमध्य रेखा एवं कर्क रेखा दोनों से संबंधित है।
- **लिम्पोपो**- अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिणी भाग में अपवाहित होने वाली लिम्पोपो नदी मकर रेखा को दो बार पार करती है।
- **बरमेजो**- दक्षिण अमेरिका की यह नदी मकर रेखा को तीन बार काटती है।
- **माही**- मध्य प्रदेश के धार जिले में विंध्य श्रेणियों से निकलने वाली माही नदी कर्क रेखा को दो बार काटते हुए मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में बहकर खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में गिरती है।

परियोजना का नाम	नदी	स्वाभाविक राज्य
भाखड़ा नांगल परियोजना	सतलुज नदी	हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान
दामोदर घाटी परियोजना	दामोदर नदी	पश्चिम बंगाल, झारखंड
हीराकुड बांध परियोजना	महानदी	ओडिशा
साकरीगिरी परियोजना	कक्की/पम्बा	केरल
नागार्जुन सागर परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
पौर्णधार परियोजना	गोदावरी नदी	तेलंगाना
इंदुक्की (वेणुगिर) परियोजना	पेरियार नदी	केरल
पवन परियोजना	पवन नदी	महाराष्ट्र
नाथपा-झाकरी परियोजना	सतलुज नदी	हिमाचल प्रदेश
सुईल नदी परियोजना	सुईल नदी	हिमाचल प्रदेश
बाघसागर परियोजना	सीत नदी	बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
रामगंगा परियोजना	रामगंगा	उत्तराखण्ड
सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात
तिलैया परियोजना	बराकर नदी	झारखंड
निम्नो-बाजमो परियोजना	सिंधु नदी	लद्दाख (जम्मू-कश्मीर)
उरी परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
चुटक परियोजना	सुर नदी	कारगिल (जम्मू-कश्मीर)
बगलिहार परियोजना	चेनाब नदी	जम्मू-कश्मीर
तुलबुल परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
अलमट्टी बांध परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र
चंबल परियोजना	चंबल नदी	मध्य प्रदेश, राजस्थान

भारत में मुख्यतः चार प्रकार के लौह-अयस्क पाए जाते हैं

नाम	रंग	लोहे का अंश
मैग्नेटाइट	काला	लगभग 72% तक
हेमेटाइट	लाल	लगभग 60 से 70% तक
लिमोनाइट	पीला	लगभग 40 से 60% तक
सिडेराइट	भूरा	लगभग 40% तक (अशुद्धियाँ अधिक)

भारत में लौह अयस्क के निम्नलिखित क्षेत्र हैं-

राज्य	प्रमुख क्षेत्र
ओडिशा	गुरुमहिसानी, सुलेपत, बादाम पहाड़, किरीबुरु, बाँसपानी, ठकुरानी, कुरुबंद फिलोरा, दैतरी, सुकिंदा, टोमका, अमरकोट, चिमरा
छत्तीसगढ़	दल्ली-राजहरा, बैलाडीला, अरीडोंगरी, दंतेवाड़ा, बस्तर, बिलासपुर
झारखंड	नोआमुंडी, गुआ, पलामू, सिंदुरपुर
कर्नाटक	बेल्लारी, शिमोगा, चित्रदुर्ग, कुद्रेमुख, बाबा बुदन, तुमकुर, बीजापुर, संदुर
महाराष्ट्र	रत्नागिरी, चंद्रपुर
तमिलनाडु	नीलगिरी, सलेम
आंध्र प्रदेश	वारंगल, कुनूल, जगय्यापेटा, रमल्ला कोटा, वेल्दुर्थी, बेय्याराम, अनंतपुर, नेल्लोर
गुजरात	भावनगर, नवानगर, पोरबंदर, जूनागढ़, वड़ोदरा, खंडेश्वर
राजस्थान	उदयपुर, थूर, हुंडेर, नाथरा-की-पाल

औद्योगिक गलियारे (Industrial Corridor)

- देश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने हेतु एवं इसके अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने के लिये भारत सरकार द्वारा औद्योगिक गलियारों को विकसित करने की योजना है।
- इसके तहत आधारभूत सुविधाओं के विकास में विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसके लिये माल ढुलाई हेतु 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' (अलग रेलवे लाइन) का विकास किया जाना महत्वपूर्ण है।
- इन गलियारों के साथ ही 'स्मार्ट औद्योगिक नगर' भी विकसित किये जाएंगे। इसके अंतर्गत निम्नलिखित औद्योगिक गलियारों को विकसित किया जाएगा—
 - दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा (DMIC)
 - अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (AKIC)
 - बंगलूरु-मुंबई आर्थिक गलियारा (BMEC)
 - चेन्नई-बंगलूरु औद्योगिक गलियारा (CBIC)
 - पूर्वी तट आर्थिक गलियारा (ECEC)

अक्षांश रेखा	देशांतर रेखा
विषुवत् वृत्त से ध्रुवों तक स्थित सभी समानांतर वृत्तों को अक्षांश (समानांतर) रेखाएँ कहा जाता है। अक्षांशों को अंश में मापा जाता है।	उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली 360° रेखाओं को देशांतर रेखाएँ कहा जाता है। ये ग्लोब पर उत्तर से दक्षिण की ओर खींची जाने वाली काल्पनिक रेखाएँ हैं।
सभी अक्षांश वृत्त विषुवत् वृत्त के समानांतर होते हैं।	सभी याम्योत्तर ध्रुवों पर मिलते हैं।
ग्लोब पर अक्षांश समानांतर वृत्त के समान प्रतीत होते हैं।	सभी याम्योत्तर वृत्त के समान प्रतीत होते हैं, जो ध्रुवों से गुजरते हैं।
दो अक्षांश रेखाओं के बीच की दूरी लगभग 111 किमी. होती है।	याम्योत्तरों के बीच की दूरी विषुवत् वृत्त पर अधिकतम (111.3 किमी.) तथा ध्रुवों पर न्यूनतम (0 किमी.) होती है।
0° अक्षांश को विषुवत् वृत्त एवं 90° अक्षांश को ध्रुव कहा जाता है।	देशांतर 360° के होते हैं, जो प्रमुख याम्योत्तर से पूर्व एवं पश्चिम दोनों ओर 180° में विभाजित होते हैं।
विषुवत् वृत्त से ध्रुवों की ओर अक्षांशों का उपयोग तापमंडलों के निर्धारण में होता है, जैसे- 0° से $23\frac{1}{2}^\circ$ तक उत्तर या दक्षिण उष्ण कटिबंध, $23\frac{1}{2}^\circ$ से $66\frac{1}{2}^\circ$ तक शीतोष्ण कटिबंध तथा $66\frac{1}{2}^\circ$ से 90° तक शीत कटिबंध।	देशांतरों का उपयोग प्रमुख याम्योत्तर के सापेक्ष स्थानीय समय को निर्धारित करने में किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- यदि उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुव को बिंदु न मानकर रेखा माना जाए तो पृथ्वी पर कुल 181 अक्षांश रेखाएँ होंगी और यदि बिंदु माना जाए तो पृथ्वी पर कुल 179 अक्षांश रेखाएँ हैं। ($181 - 2 = 179$)
- 0° देशांतर के बाईं ओर 'पश्चिमी देशांतर' तथा दाईं ओर 'पूर्वी देशांतर' होता है, जबकि 180° देशांतर के बाईं ओर 'पूर्वी देशांतर' तथा दाईं ओर 'पश्चिमी देशांतर' होता है।
- पृथ्वी पर खींचे गए अक्षांश वृत्तों में विषुवत् वृत्त सबसे बड़ा होता है, जिसे 'वृहद् वृत्त' कहते हैं। इसके अलावा सभी देशांतर रेखाओं को भी इसमें शामिल किया जाता है।
- 0° देशांतर रेखा 0° अक्षांश रेखा को गिनी की खाड़ी (अटलांटिक महासागर) में, कर्क रेखा को अल्जीरिया में, मकर रेखा को अटलांटिक महासागर में (नामीबिया के पश्चिम में) तथा आर्कटिक वृत्त को नार्वेजियन सागर में प्रतिच्छेदित करती है।
- घाना की राजधानी 'अक्रा' 0° देशांतर ($0^\circ 11'48.84''E$) पर ही स्थित है, साथ ही यह घाना की सबसे बड़ी झील (लेक वोल्टा) से होकर भी गुजरती है।

गुजराओं की घाटी	मिस्र
पंजसीर घाटी	अफगानिस्तान
स्वात घाटी	उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान
हुंजा घाटी	गिलगित - बाल्टिस्तान (पाकिस्तान)
कापटी घाटी	न्यू साउथवेल्स (ऑस्ट्रेलिया)
मृत घाटी	कैलिफोर्निया (संयुक्त राज्य अमेरिका)
सान जुआन घाटी	कैलिफोर्निया (संयुक्त राज्य अमेरिका)
रेबिट घाटी	कोलोराडो (संयुक्त राज्य अमेरिका)
किंग घाटी	संयुक्त राज्य अमेरिका
ग्रैंड घाटी	संयुक्त राज्य अमेरिका
सेक्रेड घाटी	पेरू
कंगारु घाटी	न्यू साउथवेल्स (ऑस्ट्रेलिया)

स्थानांतरणशील कृषि के नाम	देश/स्थान
मिल्पा	मेक्सिको और मध्य अमेरिका
कोनुको	वेनेजुएला
रोका	ब्राज़ील
मसोले	कॉन्गो एवं मध्य अफ्रीका
लदांग	इंडोनेशिया एवं मलेशिया
रे	वियतनाम
तुंग्या	म्याँमार
चेना	श्रीलंका
कैंगिन	फिलीपींस

नाम	भारत में स्थानांतरणशील कृषि संबंधी राज्य
झूम	उत्तर-पूर्वी राज्यों (असम, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड)
बेवर या डहिया	मध्य प्रदेश
पोडु/पेंडा	आंध्र प्रदेश
कुमारी	पश्चिमी घाट
कोमान/पामाडाबी	ओडिशा
वालरे/वाल्दरे	दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान
खिल	हिमालयन क्षेत्र
कुरुवा	झारखंड
पामलू	मणिपुर
दीपा	छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला, अंडमान - निकोबार द्वीप समूह

परिवहन व्यवस्था

उद्योगों की स्थापना परिवहन संसाधनों से संपन्न स्थानों पर ही की जाती है जिससे कि उत्पादों एवं कच्चे माल की पहुँच में विलंब न हो।

विद्युत व्यवस्था

उद्योगों की स्थापना उन स्थानों पर करना ज्यादा फायदेमंद होता है, जहाँ विद्युत की व्यवस्था (विद्युत लाइनें) हो क्योंकि पेट्रोलियम ईंधनों से भारी मशीनों को चलाना अधिक खर्चीला होता है।

कच्चे माल की उपलब्धता

उन स्थानों पर उद्योगों को स्थापित करना आसान होता है, जहाँ पर कच्चे-माल की पर्याप्त उपलब्धता रहती है।

श्रम व्यवस्था

उद्योगों को वहाँ लगाना ज्यादा लाभप्रद होता है, जहाँ पर कम मजदूरी पर प्रशिक्षित श्रमिकों की उपलब्धता हो।

पूँजी व्यवस्था

उद्योगों की स्थापना में पूँजी की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि उद्योगों का आकार तथा नवाचार पूँजी की मात्रा पर निर्भर करता है।

बाजार व्यवस्था

उद्योगों से उत्पादित वस्तुओं के विक्रय के लिये बाजार तक पहुँच एवं मांग का होना अति आवश्यक है। बाजार तक पहुँच एवं बाजार में वस्तु की मांग ही उद्योगों की अवस्थिति को निर्धारित करती है।

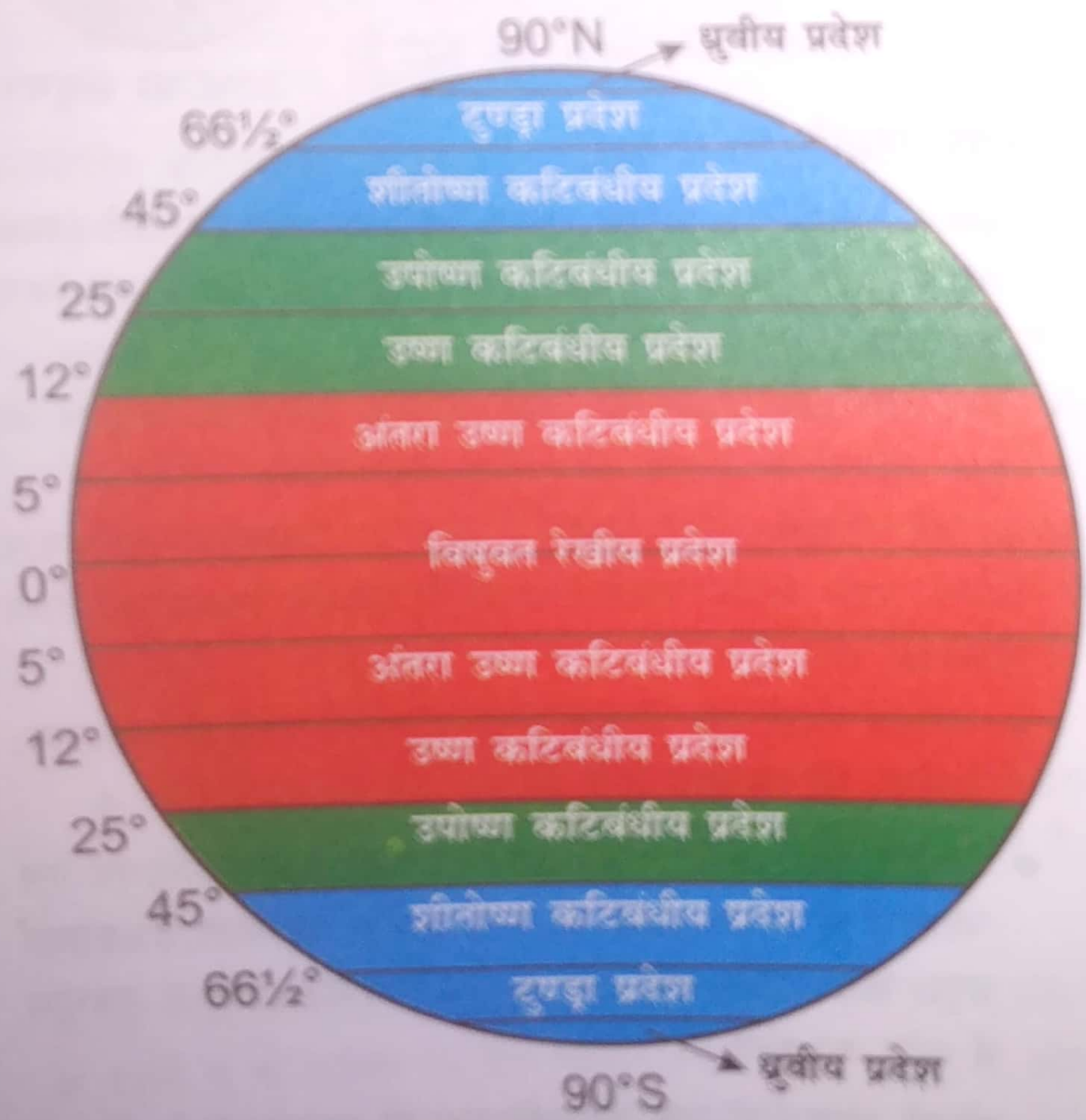
जल प्रबंधन

सामान्यतः उद्योगों की अवस्थापना जल स्रोत के समीप जलविद्युत ऊर्जा व अन्य उपयोगों के उद्देश्य से की जाती है।

लॉस एंजेलस (यूएसए)	फिल्म उद्योग (हॉलीवुड) तेलशोधन, हवाई जहाज	वेनिस (इटली)	काँच
न्यू ऑर्लिअंस (यूएसए)	तेल शोधन उद्योग	स्टॉकहोम (स्वीडन)	जलपोत निर्माण
पिट्सबर्ग (यूएसए)	लौह-इस्पात	किंबर्ले (दक्षिण अफ्रीका)	हीरा खनन
मॉण्ट्रियल (कनाडा)	जलपोत	जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)	सोना खनन
ओटावा (कनाडा)	कागज उद्योग	नगोया (जापान)	ऑटोमोबाइल
हैमिल्टन (कनाडा)	लौह-इस्पात	ओसाका (जापान)	वस्त्र
सेंटियागो (चिली)	शराब उद्योग	काहिरा (मिस्र)	वस्त्र
ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना)	माँस व डेयरी उद्योग	हैम्बर्ग (जर्मनी)	जलयान निर्माण
मराकैबो (वेनेजुएला)	तेलशोधन उद्योग	मोसुल (इराक)	खनिज तेल
रियो-डी-जेनेरियो (ब्राजील)	वस्त्र उद्योग, काँफी उद्योग	अंशन (चीन)	लौह-इस्पात
साओपोलो (ब्राजील)	काँफी उद्योग	चेलियाविस्क (रूस)	धातु और सैन्य मशीनरी उद्योग
ज्यूरिख (स्विट्ज़रलैंड)	इंजीनियरिंग	मैग्नीटोगोर्स्क (रूस)	लौह-इस्पात
डुंडी (स्कॉटलैंड)	जूट उद्योग	दुला (रूस)	लौह-इस्पात
ग्लासगो (स्कॉटलैंड)	जलयान निर्माण	व्लाडिवोस्टक (रूस)	जलयान निर्माण
वियना (ऑस्ट्रिया)	काँच उद्योग	एंटवर्प (बेल्जियम)	हीरा उद्योग
रॉटरडम (नीदरलैंड)	जलपोत निर्माण	मुल्तान (पाकिस्तान)	मिट्टी के बर्तन
कोपेनहेगन (डेनमार्क)	डेयरी उद्योग	अबादान (नाइजीरिया)	तेल शोधन

विश्व के महत्वपूर्ण औद्योगिक नगर

नगर	उद्योग	नगर	उद्योग
शिकागो (यूएसए)	माँस प्रसंस्करण, लौह-इस्पात	क्रिवाईरॉग (यूक्रेन)	लौह-इस्पात
डेट्रॉइट (यूएसए)	ऑटोमोबाइल	तूरिन (इटली)	मोटरकार



स्थानीय पवन	स्थानीय क्षेत्र/वेश	प्रकृति
गर्म पवने (Warm Winds)		
चिनूक (Chinook)	रॉकी पर्वत के पूर्वी ढाल पर प्रवाहित (दक्षिण कोलोराडो के दक्षिण भाग से लेकर उत्तर में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया तक)	गर्म एवं शुष्क हवा
फॉन (Foehn)	अल्प्स पर्वत के उत्तरी ढाल पर प्रवाहित (स्विट्जरलैंड सर्वाधिक प्रभावित)	गर्म एवं शुष्क हवा
सिर्रोको (Sirocco)	सहारा रेगिस्तान से भूमध्यसागर के बीच प्रवाहित (मिस्र, लीबिया, द्यूनीशिया, इटली और स्पेन देश प्रभावित)	गर्म, शुष्क तथा रेतीली हवा
ब्लैक रोलर (Black Roler)	उत्तरी अमेरिका के मैदानों में	गर्म एवं शुष्क हवा
यामो (Yamo)	जापान में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
टेम्पोरल (temporal)	मध्य अमेरिका में प्रवाहित	मानसूनी स्थानीय हवा
सिमूम (Simoom)	अरब रेगिस्तान में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
सामुन (Samoon)	ईरान में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
शामल (Shamal)	मेसोपोटामिया एवं फारस की खाड़ी में प्रवाहित	गर्म, शुष्क एवं रेतीली हवा
हबूब (Haboob)	उत्तरी सूडान (खार्तूम)	धूलभरी हवा
काराबुरान (Karaburan)	मध्य एशिया के तारिम बेसिन में प्रवाहित	धूलभरी आधियाँ
हरमट्टन (Harmattan)	सहारा रेगिस्तान में प्रवाहित (अफ्रीका का पश्चिमी तट सर्वाधिक प्रभावित)	गर्म एवं शुष्क हवा
ब्रिकफिल्डर (Brickfielder)	विकटोरिया प्रांत (ऑस्ट्रेलिया) में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
नार्वेस्टर (Norwester)	उत्तरी न्यूजीलैंड में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
लू (Loo)	उत्तरी भारत व पाकिस्तान में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
सांता आना (Santa Ana)	कैलिफोर्निया (सं.रा.अमेरिका) में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
खमसिन (Khamsin)	मिस्र में प्रवाहित	गर्म एवं शुष्क हवा
जॉन्डा (Zonda)	एंडीज के मैदानी भाग में प्रवाहित (अर्जेंटीना एवं उरुग्वे सर्वाधिक प्रभावित)। इसे 'शीत फॉन' (Winter Foehn) भी कहते हैं।	गर्म एवं शुष्क हवा
ठंडी पवने (Cold Winds)		
मिस्ट्रल (Mistral)	रोन नदी से भूमध्यसागर तक प्रवाहित (स्पेन एवं फ्रांस सर्वाधिक प्रभावित)	ठंडी भुवीय हवा
बोरा (Bora)	एड्रियाटिक सागर के पूर्वी तट पर प्रवाहित (इटली व यूगोस्लाविया सर्वाधिक प्रभावित)	ठंडी शुष्क हवा
ब्लिज़र्ड (Blizzard)	साइबेरिया क्षेत्र, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं कनाडा में प्रवाहित	ठंडी शुष्क हवा
नोर्टे (Norte)	संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी क्षेत्र व मेक्सिको में प्रवाहित	ठंडी भुवीय हवा
पैपेरो (Pampero)	अर्जेंटीना व उरुग्वे में प्रवाहित	ठंडी भुवीय हवा
ग्रेगाले (Gregale)	द. यूरोप के भूमध्यसागरीय क्षेत्र में प्रवाहित	ठंडी भुवीय हवा
जोरन (Joran)	जूरा पर्वत (स्विट्जरलैंड) में प्रवाहित	ठंडी हवा
पापागायो (Papagayo)	मेक्सिको तट पर प्रवाहित	ठंडी व शुष्क हवा
दक्षिणी बर्स्टर (Southerly Burster)	न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) में प्रवाहित	ठंडी व शुष्क हवा
बाईज़ (Bise)	फ्रांस में प्रवाहित	ठंडी व शुष्क हवा
लेवांटर (Levanter)	दक्षिणी स्पेन व फ्रांस में प्रवाहित	ठंडी व शुष्क हवा
		ठंडी व शुष्क हवा

विश्व के प्रमुख घास के मैदान

उष्ण कटिबंधीय घास-स्थल

- सवाना - अफ्रीका
- कंपोस - ब्राज़ील
- लानोस - वेनेजुएला

शीतोष्ण कटिबंधीय घास-स्थल

- पंपास - उरुग्वे, अर्जेंटीना व ब्राज़ील
- प्रेयरी - उत्तर अमेरिका
- वेल्ड - दक्षिण अफ्रीका
- स्टेपी - मध्य एशिया एवं पूर्वी यूरोप
- पुस्ताज़ - हंगरी
- डाउंस - ऑस्ट्रेलिया
- केंटरबरी - न्यूज़ीलैंड

ओब नदी	रूस	मुहाना- कारा सागर (आर्कटिक सागर)
येनेसी नदी	रूस	मुहाना- कारा सागर (आर्कटिक सागर)
अमूर नदी	रूस, चीन	मुहाना- ओखोत्स्क सागर (तत्तर जलसंधि के पास)
सिक्व्यांग नदी	चीन	<ul style="list-style-type: none"> ■ मुहाना- दक्षिण चीन सागर ■ डेल्टाई क्षेत्र में रेशम उत्पादन किया जाता है। ■ इसके मुहाने पर चीन का 'हॉन्गकॉन्ग' व 'ग्वांगझाउ' शहर स्थित हैं।
ब्रह्मपुत्र नदी	चीन, भारत, बांग्लादेश	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम- चेमयुंगडुंग ग्लेशियर ■ मुहाना- बंगाल की खाड़ी ■ तिब्बत (चीन) में इसे 'यारलुंग-सांगपो' तथा बांग्लादेश में 'पद्मा' के नाम से जाना जाता है। ■ दिबांग व लोहित प्रमुख सहायक नदियाँ हैं। ■ बांग्लादेश में तीस्ता नदी इससे मिलती है।

एशिया की प्रमुख जलसंधियाँ

जलसंधि	विशेषताएँ
बेरिंग जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ अलास्का (अमेरिका) को रूस से अलग करता है। ■ पूर्वी चूकची सागर एवं बेरिंग सागर को जोड़ता है।
तत्तर जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ रूसी मुख्यभूमि को रूस के सखालिन द्वीप से अलग करता है। ■ जापान सागर को ओखोत्स्क सागर से जोड़ता है।
ला-पैरोज जलसंधि या सोया जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ जापान के होकैडो द्वीप को रूस के सखालिन द्वीप से अलग करता है। ■ जापान सागर को ओखोत्स्क सागर से जोड़ता है।
सुगारु जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ होकैडो को होंशू द्वीप से अलग करता है। ■ जापान सागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है।
कोरिया जलसंधि या सुशिमा जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ कोरिया प्रायद्वीप को जापान के क्यूशू द्वीप से अलग करता है। ■ पूर्वी चीन सागर को जापान सागर से जोड़ता है।
ताइवान जलसंधि (फॉर्मोसा जलसंधि)	<ul style="list-style-type: none"> ■ ताइवान को चीन से अलग करता है। ■ पूर्वी चीन सागर को दक्षिणी चीन सागर से जोड़ता है।

लूज़ोन जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ ताइवान को लूज़ोन द्वीप से अलग करता है। ■ दक्षिणी चीन सागर व प्रशांत महासागर को जोड़ता है।
मकस्सार जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ सेलेबस द्वीप को बोर्नियो द्वीप से अलग करता है। ■ सेलेबस सागर को जावा सागर से जोड़ता है।
सुंडा जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ इंडोनेशिया के जावा को सुमात्रा से अलग करता है। ■ हिंद महासागर को जावा सागर से जोड़ता है।
मलक्का जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ मलेशिया (मलाया) को सुमात्रा द्वीप से अलग करता है। ■ अंडमान सागर (हिंद महासागर) को दक्षिण चीन सागर (प्रशांत महासागर) से जोड़ता है।
जोहोर जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ सिंगापुर को मलेशिया से अलग करता है। ■ दक्षिणी चीन सागर को अंडमान सागर से जोड़ता है।
पाक जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ भारत के पम्बन द्वीप को श्रीलंका से अलग करता है। ■ मन्नार की खाड़ी को पाक की खाड़ी से जोड़ता है।
हॉर्मुज़ जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ यू.ए.ई., ओमान को ईरान से अलग करता है। ■ फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है।
बाब-एल-मंदेब जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ यमन को जिबूती से अलग करता है। ■ लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है।

एशिया की प्रमुख झीलें

नाम	देश	विशेषताएँ
झील कैस्पियन	अज़रबैजान, ईरान, कज़ाख़स्तान, तुर्कमेनिस्तान, रूस	<ul style="list-style-type: none"> ■ एशिया-यूरोप महाद्वीप की विभाजक होने के साथ विश्व की सबसे बड़ी झील है। ■ इसमें वोल्गा और यूराल जैसी प्रमुख नदियों का मुहाना है।
बालख़िश झील	कज़ाख़स्तान	यह खारे पानी की झील है।
मोंगोल झील	भारत, चीन	<ul style="list-style-type: none"> ■ रामसर कन्वेंशन के तहत इसे मान्यता प्राप्त है। ■ भारत व चीन के मध्य वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) यहीं से गुज़रती है।
झील त्सुंगसा	कंबोडिया	यह दक्षिण-पूर्व एशिया की एक महत्वपूर्ण झील है।

अफ्रीका के कर्क, मकर तथा विषुवत् रेखा पर अवस्थित
देश (पूर्व से पश्चिम क्रम में)

कर्क रेखा- मिस्र, लीबिया, नाइजर, अल्जीरिया, माली, मॉरितानिया,
पश्चिमी सहारा

मकर रेखा- मेडागास्कर, मोज़ाम्बिक, दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना,
नामीबिया

विषुवत् रेखा- सोमालिया, केन्या, युगांडा, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ
कॉंगो (जायरे), कॉंगो, गैबन

अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख जनजातियाँ

जनजाति	संबंधित क्षेत्र
बुशमैन	कालाहारी मरुस्थल (बोत्सवाना, नामीबिया, जिंबाब्वे तथा दक्षिण अफ्रीका के कुछ भागों में)
पिग्मी	कॉन्गो बेसिन (पिग्मी जनजाति के घरों को 'मांगुलस' कहा जाता है।)
बद्दू	सहारा मरुस्थल
मसाई	पूर्वी अफ्रीका (केन्या)
जुलु	दक्षिणी अफ्रीका (अपनी विशेष सांस्कृतिक परंपराओं के लिये प्रसिद्ध)
ओरोमो	इथियोपिया
लुओ और बागांडा	विक्टोरिया झील के आस-पास की जनजाति
किक्वू एवं कंबा	केन्या पर्वतीय क्षेत्र
फुलानी	पश्चिमी अफ्रीका
नूबा	सूडान
बंतू	पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी अफ्रीका

महत्त्वपूर्ण जलसंधियाँ

जलसंधि	विशेषताएँ
डेविस जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ बैफिन द्वीप को ग्रीनलैंड से अलग करती है। ■ बैफिन की खाड़ी को लैब्राडोर सागर से जोड़ती है।
हडसन जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ कनाडा के उंगावा प्रायद्वीप को बैफिन द्वीप से अलग करती है। ■ हडसन की खाड़ी को लैब्राडोर सागर से जोड़ती है।
बेलेइसले जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ न्यूफाउंडलैंड को कनाडा मुख्य भूमि से अलग करती है। ■ लैब्राडोर सागर को सेंट लॉरेंस की खाड़ी से जोड़ती है।
फ्लोरिडा जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ फ्लोरिडा को क्यूबा से अलग करती है। ■ अटलांटिक महासागर को मेक्सिको की खाड़ी से जोड़ती है।
युकाटन चैनल	<ul style="list-style-type: none"> ■ मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप को क्यूबा से अलग करता है। ■ मेक्सिको की खाड़ी को कैरीबियन सागर से जोड़ता है।
विंडवार्ड पैसेज	<ul style="list-style-type: none"> ■ क्यूबा को हैती से अलग करता है। ■ उत्तरी अटलांटिक महासागर को कैरीबियन सागर से जोड़ता है।
मोना पैसेज	<ul style="list-style-type: none"> ■ डोमिनिकन गणराज्य को प्यूर्टो रिको से अलग करता है। ■ उत्तरी अटलांटिक महासागर को कैरीबियन सागर से जोड़ता है।
पनामा नहर	<ul style="list-style-type: none"> ■ कैरीबियन सागर को प्रशांत महासागर की पनामा की खाड़ी से जोड़ती है। ■ इस नहर में जल के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिये 'गटुन झील' (Lake Gatun) का निर्माण किया गया है। ■ 'कोलोन' (Colon) तथा 'पनामा सिटी' इस नहर के समीप अवस्थित बंदरगाह हैं। ■ आर्थिक महत्व की दृष्टि से पनामा नहर का अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान है।
जुआन डी फ्यूका जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ कनाडा के वैंकूवर द्वीप को कनाडा मुख्यभूमि से अलग करती है।
बेरिंग जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> ■ अमेरिका के अलास्का को रूस के साइबेरिया से अलग करती है। ■ प्रशांत महासागर के बेरिंग सागर को आर्कटिक महासागर के ब्यफोर्ट सागर से जोड़ती है।

नदी	विशेषताएँ
अमेज़न	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: एंडीज़ पर्वत, पेरू ■ मुहाना: अटलांटिक महासागर ■ इसके मुहाने को विषुवत् रेखा काटती है। ■ यह अपवाह क्षेत्र व जल आयतन की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी व दूसरी सबसे लंबी नदी है। ■ इसका बेसिन जैव विविधता की दृष्टि से सबसे संपन्न है। यहाँ पाये जाने वाले विषुवत्रेखीय वनों को 'सेल्वास' कहते हैं। ■ 'मडीरा' इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी है। वहीं, निग्रो और अमेज़न नदियों के संगम पर 'मानोस' शहर अवस्थित है। यह शहर रबर संग्रहण केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है।
मैग्डलेना	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: एंडीज़ पर्वत, कोलंबिया ■ मुहाना: कैरीबियन सागर ■ यह कोलंबिया की महत्वपूर्ण नदी है। ■ यह एंडीज़ पर्वत के कॉर्डिलेरा ऑक्सीडेंटल व कॉर्डिलेरा ओरिएंटल के मध्य निर्मित भ्रंश से होकर गुजरती है। ■ इसके मुहाने पर खनिज तेल का विशाल भंडार है।
साओ-फ्रांसिस्को	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: ब्राजीलियन उच्चभूमि ■ मुहाना: अटलांटिक महासागर ■ यह ब्राजील की एक महत्वपूर्ण नदी है।
ओरिनिको	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: एंडीज़ पर्वत ■ मुहाना: अटलांटिक महासागर ■ यह कोलंबिया व वेनेजुएला की महत्वपूर्ण नदी है। ■ सहायक नदी: कैरोनी
पराणा	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: ब्राजीलियन उच्चभूमि ■ मुहाना: अटलांटिक महासागर के रियो-डी-ला-प्लाटा ज्वारनदमुख में। ■ यह दक्षिण अमेरिका की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। ■ इस नदी के किनारे अर्जेंटीना का 'रोज़ारियो' शहर अवस्थित है। ■ पराणा नदी पर ब्राजील और पराग्वे की संयुक्त परियोजना के अंतर्गत 'इतेपु' बांध निर्मित किया गया है जो ब्राजील के 'इतेपु' नामक स्थान पर स्थित है। यह विश्व के सबसे बड़े बांधों में से एक है। ■ सहायक नदी: पराग्वे

पराग्वे	<ul style="list-style-type: none"> ■ यह ब्राजील, पराग्वे व अर्जेन्टीना से होकर गुजरती है। ■ इसके तट पर पराग्वे देश की राजधानी 'असुंशियन' स्थित है।
कोलोरैडो	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: एंडीज पर्वत ■ मुहाना: बाहिया ब्लंका की खाड़ी (अटलांटिक महासागर) ■ अर्जेन्टीना में प्रवाहित होती है।
नेग्रो	<ul style="list-style-type: none"> ■ उद्गम: एंडीज पर्वत ■ मुहाना: सैन मैटिआस की खाड़ी (अटलांटिक महासागर)

प्रमुख खाड़ी, प्रायद्वीप एवं जलसंधियाँ	
नाम	अवस्थिति
सैन जॉर्ज की खाड़ी	अर्जेन्टीना के पूर्व (अटलांटिक महासागर) में अवस्थित।
सैन मैटिआस की खाड़ी	वालदेस प्रायद्वीप के उत्तर में अटलांटिक महासागर में अवस्थित।
गुयाक्विल की खाड़ी	इक्वाडोर के पश्चिम, प्रशांत महासागर में अवस्थित।
पेनास की खाड़ी	दक्षिणी चिली (प्रशांत महासागर) में अवस्थित
वालदेस प्रायद्वीप (अर्जेन्टीना)	अर्जेन्टीना के इस प्रायद्वीप के उत्तर में सैन मैटिआस खाड़ी स्थित है और यह अटलांटिक महासागर से घिरा हुआ है।
ताइताव प्रायद्वीप	पेनास की खाड़ी एवं प्रशांत महासागर से घिरा हुआ दक्षिणी चिली में अवस्थित।
मैगलन जलसंधि	दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी भाग को टियरा-डेल-फ्यूगो से अलग करती है।
ड्रेक पैसेज	यह जलसंधि दक्षिण अमेरिका एवं अंटार्कटिका को अलग करती है एवं दक्षिण अटलांटिक महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है।